an>

Title: Regarding alleged molestation of a girl in a bus in Punjab.

श्री स्वनीत सिंह : मैडम, ऐज ए मेंबर ऑफ पार्लियामेंट सारे हाउस की तरफ से कहना चाहूंगा कि आज हम बहुत दुख में हैं और उस परिवार के साथ आज इस दुख की घडी में हम सब खडे हैं। बहुत ही शर्मनाक हादसा पंजाब में हुआ है। पंजाब में कल शाम 6 और 7 के बीच आपका ध्यान उस घटना की तरफ लेकर जाना चाहता हूं कि जिसमें एक मां ने अपनी 13 साल की बेटी की इज्जत बचाने के लिए उसके साथ चलती बस से छलांग लगा दी। इस घटना में बेटी की मौत हो गई और मां गंभीर रूप से जख्मी हो गई। मां का इलाज सिविल हॉस्पिटल, मोगा में हो रहा है।

मैडम, मैं एक बात क हकर सुझाव भी जरूर दूंगा। ग ा◌ंव लंदेके की रहने वाली 38 साल की शिन्दर कौर, अपनी 13 साल की बेटी अर्शदीप कौर और 14 साल के बेटे आकाशदीप के साथ अपने मायके खुशी-खुशी मोगा कोटकपुरा बाई पास पर जा रहे थे, वह आर्बिट सर्विस, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर पी.बी. 10 सी -1813 है, उसमें चढ़ी। बस में सवार होते ही कुछ युवक, जो उस बस के ही हेल्पर थे, उन्होंने उनसे छेडछाड़ करनी शुरू की तो मां और भाई ने उस बस के कंडक्टर से पुकार की और हेल्प मांगी। कंडक्टर भी उस घटना में शामिल हो गया। मां ने जब ड्राइवर को बोला तो ड्राइवर भी बस रोकने या मदद करने की बजाए बस को और तेज स्पीड से भगाने लगा। ऐसे में कोई रास्ता न देखते हुए मां ने अपनी बेटी की आबरू बचाने के लिए शोर मचाना शुरू किया और हेल्प मांगी। कंडक्टर के साथ हेल्पर और हॉकर थे, उन्होंने उनको धक्का दे कर नीचे फेंका जिससे यह हादसा हुआ है, यह घटना 16 दिसम्बर, 2012 की रात हुई घटना, 'निर्भया' की याद दिलाता है।

मैं यह कहना भी नहीं चाहता और इसमें पॉलिटिक्स भी नहीं करना चाहता हूं, हमारे माननीय मैम्बर ऑफ पार्लियामेन्ट एवं मिनिस्टर,जो पंजाब से चुन कर आयी हैं, वे यहां बैठी हैं, वह खुद एक बहुत बड़ी कैम्पेन "नन्हीं छांह " चलाती हैं। आज मीडिया में यह समाचार आ रहा था, यहां किसान की बात हो रही थी।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री स्वनीत सिंह : कृपया मुझे बोलने से नहीं रोकिए। मैं इसमें पॉलिटिक्स नहीं करूंगा। उस समय यह अच्छा होता कि उनके जख्मों पर मरहम लगाई जाती न कि नमक छिड़का जाता। अगर वही मंत्री, क्योंकि पंजाब में एन.डी.ए. की गवर्नमेन्ट है...(व्यवधान) अगर वह आज आकर आपको बताते कि "ऑरबिट बस" वहां के डिप्टी चीफ मिनिस्टर की बस है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इससे इसका कोई संबंध नहीं जोड़ना है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Do not do politics on such events.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसी बहुत घटनायें हैं, जिन पर पॉलिटिक्स करना है तो मैं उनके लिए अनुमति नहीं दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : गलती हुई है। ड्राइवर और कंडक्टर ने जो किया है, वह बहुत गलत बात है। आप विÂाय को कहां से कहां ले जाते हैं।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर आप इंक्वायरी की मांग करते हैं तो वह बात समझ में आती है। आप दूसरी बातें नहीं बोलिए।

श्री स्वनीत सिंह : वहां की जो सरकार है, वह भी एन.डी.ए. की है और यहां भी एन.डी.ए. की सरकार है। मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है कि पार्लियामेन्ट कमेटी, जिसमें सभी पार्टी के मैम्बर ऑफ पार्लियामेन्ट हों, वह वहां पर जाये और फैक्ट फाइडिंग करें। जब दिल्ली में ऐसा हादसा हुआ तो "उबेर कैब " की टैक्सी सर्विस को दिल्ली में बंद किया गया तो क्यों न पंजाब की "ऑरबिट बस " सर्विस को बंद किया जाये, जब तक उसके कंडक्टर और ड्राइवर के चरित्र की छानबीन न हो? ...(व्यवधान)

...□ इस बात को यहां बतायें। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी का नाम नहीं लेना है। वह कुछ नहीं बोल रही हैं।

...(व्यवधान)

श्री स्वनीत सिंह : इनके बस के ड्राइवर और कंडक्टर कौन थे?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कृपया नाम निकाल दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री स्वनीत सिंह: यह बताते कि यह मेरी बस है। ...(व्यवधान) तो मैं मानता कि उन्होंने उनके जख्मों पर मरहम लगाया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री संतोख सिंह चौधरी को श्री स्वनीत सिंह द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

अब आप कुछ नहीं बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी का नाम नहीं जायेगा। आप केवल घटना की जांच की मांग करिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने नाम निकालने के लिए बोल दिया है। इस पर परस्पर कोई विवाद करने की जरूरत नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने जहां तक जांच की मांग की है, वह बात ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं इस पर किसी को कुछ बोलने की अनुमति नहीं दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री भगवंत मान (संगरूर): अध्यक्ष महोदया, पंजाब में मोगा के पास एक शर्मनाक घटना हुयी है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप इसी बात से एसोसिएट करिए। आपको ज्यादा बोलने की आवश्यकता नहीं है।

...(व्यवधान)

श्री भगवंत मान: अध्यक्ष महोदया, मैं उसके बारे में डिटेल बताना चाहता हूं।...(व्यवधान) मैंने इसके लिए आपको नोटिस दिया था। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक ही विÂाय के साथ एसोसिएट करना होता है, ऐसी पद्धति है।

â€¦(व्यवधान)

श्री भगवंत मान: अध्यक्ष महोदया, मेरे पास और फैक्ट्स भी हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किस प्रकार के फैक्ट्स हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री भगवंत मान : अध्यक्ष महोदया, आपने आश्वासन दिया था कि मुझे छः बजे के बाद बोलने का मौका दिया जायेगा।...(व्यवधान) मोगा के पास एक खतरनाक घटना हुयी है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप उसकी जांच की मांग करिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : दोबारा वही बात नहीं बोलिए। एक जैसे विÂाय के साथ एसोसिएट किया जाता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री भगवंत मान: अध्यक्ष महोदया, यह लोकतंत्र की हत्या है।...(व्यवधान) आप मुझे बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान) मैं अपनी पार्टी की तरफ से अपना पक्ष रखना चाहता हूं। ...(व्यवधान) मैंने आपको इसके लिए नोटिस दिया था।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एसोसिएट कर सकते हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपका नोटिस नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप उनके साथ एसोसिएट करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री भगवंत मान: अध्यक्ष महोदया, मैं इस विÂाय पर बोलना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

जितनी देर झगड़ा हुआ उतनी देर में मैं अपनी बात समाप्त कर लेता। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : झगड़ा इसलिए कि बोलना नहीं है।

...(व्यवधान)

श्री भगवंत मान: अध्यक्ष महोदया, जो शर्मनाक घटना हुई है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उसकी जांच करें, ऐसा बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री (श्रीमती हरसिमरत कौर बादल) : मैडम, मेरा नाम लिया गया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कृपया आप सभी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने बोला है कि कोई नाम नहीं लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप राजनीति करना चाहते हैं या लड़की के साथ हैं?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हमने ऐसी बातों पर राजनीति नहीं करने के लिए कहा है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको इन बातों से कोई सुख-दुःख नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एक सेकेण्ड में बोलिए। आप जांच की मांग करिए और एसोसिएट करिए।

...(व्यवधान)

श्री भगवंत मान : अध्यक्ष महोदया, मैं 30 सेकेण्ड्स से ज्यादा नहीं बोलूंगा।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बोलिए।

m03

श्री भगवंत मान : अध्यक्ष महोदया, एक शर्मनाक घटना हुई है, उसमें 13 साल की बच्ची की जान चली गयी है।...(व्यवधान) यह आरबिट ट्रेवेल की बस थी।...(व्यवधान) यह रोड टेररिज्म है। ...(व्यवधान) पंजाब में ऐसी घटनायें हर रोज होती हैं। ...(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे मेरठ से संबंधित एक महत्वपूर्ण विÂाय को उठाने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मेरठ में औद्योगिक इकाइयों ने बेतहाशा प्रदूÂाण फैलाने के साथ-साथ भूजल सम्पदा को भी तह तक सोख लिया है। ...(व्यवधान)

श्री भगवंत मान: अध्यक्ष महोदया, मुझे मेरी बात कहने दी जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं होता।

â€¦(व्यवधान)

18.21 hrs

At this stage, Shri Bhagwant Mann came and stood on the floor near the Table.